उदारीकरण के पश्चात् भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड का कार्य निष्पादन

4950. **श्रीमती वीणा वर्मा** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उदारीकरण नीति के कारण सरकारी क्षेत्र के उपक्रम, भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बी.एच.ई.एल.) की कार्यप्रणाली प्रभावित होने की आशंकाएं सही साबित नहीं हुई हैं; यदि हां, तो भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड की पिछले तीन वर्षों की प्रगति रिपोर्ट क्या है;

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान देश और विदेश से मिले आर्डरों का ब्यौरा क्या है और इन आर्डरों में वृद्धि की क्या संभावनाएं हैं;

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान मध्य प्रदेश में स्थित भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड द्वारा की गई प्रगति और उसे प्राप्त हुए आर्डरों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या पिछले तीन वर्षों के दौरान भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड में बकाया राशि वसूल करने के मामले में कोई वृद्धि हुई है; और यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) को उदारीकृत औद्योगिक नीति के कारण अपनी कार्यप्रणाली प्रभावित होने की कोई आशंका नहीं थी। भेल के गत 5 वर्षों के निष्पादन-ब्यौरे निम्नलिखित हैं :—

(करोड़ रुपये में, लगभग)

वर्ष	कारोबार	कर पूर्व लाभ
1	2	3
1989–90	2922	213
1990–91	3154	201
1991–92	3331	187
1992–93	3508	309
1993–94*	3530	275

*अनंतिम, लेखा परीक्षा के अधीन।

(ख) पिछले 3 वर्षों में भेल ने देश में तथा विदेशों से कुल लगभग 8956 करोड़ रुपये के आर्डर प्राप्त किए हैं जिनके ब्यौरे नीचे दिए गए हैं :

(करोड़ रुपये में, लगभग)

1	2	3
1.	विद्युत संयंत्र (ताप, जल और गैस बिजली घरों के लिए उपस्कर, हिस्सेपुर्जे व सेवाएं)	4032
2.	ट्रांसमिशन उत्पाद (उच्च वोल्टता प्रत्यक्ष करंट-ट्रांसमिशन, सीरिज क्षतिपूर्ति आदि)	1264
3.	परिवहन (ए.सी. लोको, डीजल इलैक्ट्रिक शंटिंग लोको, ट्रैक्शन मोटर्स इत्यादि)	375
4.	औद्योगिक उत्पाद और नए व्यवसाय क्षेत्र	2831

1	2	3
	(सघन विद्युत संयंत्र, वेस्ट हीट रिकवरी बायलर्स, कम्प्रेसर्स, औद्योगिक मोटर्स ट्रांसफार्मर्स, सर्किट ब्रेकर्स इत्यादि)	
5.	निर्यात (गैस टर्बाइन, बायलर्स इत्यादि)	454

आर्डरों में वृद्धि की संभावनाएं निम्नलिखित कारणों से अच्छी हैं :--

(1) कई प्रमुख निविदाओं में भेल को अच्छा स्थान प्राप्त है ।

(2) भेल की अधिकांश इकाइयों को आई.एस.ओ. 9000 अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रमाणपत्र प्राप्त हो गया है ।

(3) अनेक विदेशी आपूर्तिकर्ताओं/निवेशकों ने भेल से उपकरण प्राप्त करने में रुचि दिखाई है।

(ग) गत 3 वर्षों के दौरान मध्यप्रदेश में स्थित भेल की इकाई के कार्यनिष्पादन तथा उसे प्राप्त हुए आर्डरों के ब्यौरे इस प्रकार हैं :--

(करोड़ रुपये लगभग)

	1991-92	1992-93	1993-94 (अन्तिम लेखा परीक्षा के अधीन)
कारोबार	713	749	752
कर पूर्व लाभ	59	56	66
प्राप्त आर्डर	485	491	578

(घ) 1993-94 के दौरान भेल की बकाया राशियों की वसूली में सुधार हुआ है। इसके फलस्वरूप, ग्राहकों से वसूल की जाने वाली बकाया राशि, जो वर्ष के शुरू में 1761 करोड़ रुपये थी तथा 31-3-94 को घटकर 1650 करोड रुपये हो गई ।

Public Sector Units in Central and State Sectors

4951. SHRI SOMAPPA R. BOMMAI: Will the PRIME MINISTER be pleased to state :

(a) what is the total number of Public Sector Units; in the Central and State Sectors, State-wise:

(b) what are the total Central and State investments in these units, separately;

(c) what is the total number of persons employed in the Central and State units, separately;

(d) what is the accumulated loss suffered by these public sector units in the Central and State Sectors and what is the total number of units identified as sick;

(e) what is the estimated number of employees in the Central and State public sector units who are idle due to shortage of funds and lack of work orders; and

(f) what is the number of persons retrenched in the Central and State Units due to sickness in the units ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRIMATI KRISHNA SAHI) : (a) to (d) So far as Central Government is concerned, as on 31-3-1993, there were 245 Central Public Sector Enterprises having an investment of Rs. 146971 crores. The total number of regular employees were 21.37 lakhs. The accumulated losses as on that date were Rs. 21736 crores. Based on the performance upto the year ending 31st March, 1993, 44 industrial public sector enterprises have been identified sick as per SICA Act, 1985 as amended.

(e) and (f) No person has been retrenched in any Central Public Sector Enterprises due to sickness/shortage of funds and lack of work order. However, the Govt. have introduced Voluntary Retirement Scheme and upto 1992-93, 88371 employees have availed the scheme.